अर्द्धवार्षिक परीक्षा सत्र 2016-17

कक्षा — 9

विषय — हिन्दी

समय : 3¼ घण्टे पूर्णांक : 70

नोट : 1. सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।

2. प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके अंक निर्धारित है।

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गौतम ने ठीक ही कहा, कि मनुष्य की मनुष्यता यही है कि वह सबके सुख-दुःख को सहानुभूति के साथ देखता है। यह आत्मनिर्मित बंधन ही मनुष्य को मनुष्य बनाता है। अहिंसा सत्य और अक्रोधमूलक धर्म का मूल उत्स यही है। मुझे आश्चर्य होता है कि अनजान में भी हमारी भाषा में यह भाव कैसे-कैसे रह गया है, लेकिन मुझे नाखून के बढ़ने पर आश्चर्य हुआ था। अज्ञान सर्वत्र आदमी को पछाड़ता है और आदमी है कि सदा उससे लोहा लेने को कमर कसे है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक बताइये। ½

(ख) गौतम ने मनुष्यता किसे कहा है ? 1

(ग) 'आत्मनिर्मित बंधन' से क्या अभिप्राय है ? 1

2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2½

कलम देश की बड़ी शक्ति है भाव जगाने वाली,
दिल ही नहीं दिमागों में भी है आग लगाने वाली!
पैदा करती कलम विचारों के जलते अंगारे,
और प्रज्ज्वलित प्राण देश क्या कभी मरेगा मारे ?
लहू गर्म रखने को रखो, मन में ज्वलित विचार,
हिंस्र जीव से बचने को चाहिए किन्तु तलवार!
एक भेद है और, जहाँ निर्भय होते नर-नारी।
कलम उगलती आग, जहाँ अक्षर बनते चिनगारी।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का शीर्षक बताइये ? ½

(ख) 'प्रज्ज्वलित' शब्द में उपसर्ग एवं प्रत्यय बताइये ? 1

(ग) उक्त कविता हमें क्या संदेश देती है ? 1

P.T.O.

अथवा

हिमालय के आँगन में उसे प्रथम किरणों का दे उपहार।
उषा ने हँस अभिनन्दन किया और पहनाया हीरक हार।।
जागे हम, लगे जगाने विश्व लोक में फैला फिर आलोक।
व्योम-तम-पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक।।
विमल वाणी ने वीणा ली कमल-कोमल कर में सप्रीत।
सप्त स्वर सप्त सिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम-संगीत।।

(क) काव्यांश का शीर्षक बताइये ? ½

(ख) अखिल संसृति हो उठी अशोक से क्या आशय है ? 1

(ग) उक्त कविता के अंश का भावार्थ लिखिए ? 1

3. किसी एक विषय पर निम्न संकेत बिन्दुओं के आधार 300 शब्दों में लिखिए। 07

(1) आतंकवाद : भारत के लिए चुनौती

संकेत बिन्दु- 1. प्रस्तावना, 2. आतंकवाद के कारण, 3. आतंकवादी घटनाएँ एवं दुष्परिणाम, 4. आतंकवादी चुनौती का समाधान, 5. उपसंहार।

(2) इन्टरनेट : लाभ और हानि

संकेत बिन्दु- 1. प्रस्तावना-नवीनतम प्रौद्योगिकी; 2. इन्टरनेट प्रणाली 3. इन्टरनेट का प्रसार, 4. इन्टरनेट से लाभ एवं हानि 5. आधुनिक जीवन में उपयोगिता, 6. उपसंहार

(3) विद्यार्थी-जीवन में अनुशासन

संकेत बिन्दु- 1. प्रस्तावना, 2. विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व 3. अनुशासनहीनता के दुष्परिणाम, 4. अनुशासनप्रियता के सुपरिणाम 5. उपसंहार

4. स्वयं को मोलाईपुरा राजकीय माध्यमिक विद्यालय की छात्रा मनीषा सैनी मानते हुए, अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए जिसमें शिक्षण शुल्क मुक्ति की प्रार्थना की गई हो। 03

अथवा

जलदाय विभाग, टोंक के अधिकारी के नाम एक शिकायती पत्र लिखिए जिसमें नगर में व्याप्त जल-संकट का विवरण हो।

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10

(i) "जब तक देश में रावण है, तब तक सीता हरण होता रहेगा।" उक्त पंक्ति में रेखांकित पदों में संज्ञा पहचानकर उसकी परिभाषा लिखिए। 2

(ii) निम्न शब्दों की संधि कीजिए। 2

(अ) इतर् + इतर

(ब) श्रीमत् + शरत् + चन्द्र

(स) शिर : + त्राण

(द) आवि: + कार

(iii) निम्न शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए। 1

(अ) पथ्य

(ब) पंडित

(iv) विलोम शब्द लिखिए। 1

(स) वीर (द) रैन

(v) वर्ण किसे कहते हैं ? प्रकार बताइये। 2

(vi) 'सामाजिक' में मूल शब्द एवं प्रत्यय बताइये ? 1

(vii) निम्न शब्दों को शुद्ध-लिखिए। 1

उज्जवल, आर्शीवाद, द्वारिका, वापिस

5. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

भारत के राष्ट्रीय आदर्श हैं- त्याग और सेवा। आप इन धाराओं में तीव्रता उत्पन्न कीजिए और शेष सब अपने आप ठीक हो जायेगा। तुम काम में लग जाओ फिर देखोगे, इतनी शक्ति आयेगी कि तुम उसे सम्भाल न सकोगे। दूसरों के लिए रत्ती-भर सोचने, काम करने से भीतर की शक्ति जाग उठती है। दूसरों के लिए रत्ती-भर सोचने से धीरे-धीरे हृदय में सिंह का-सा बल आ जाता है।

अथवा

वहाँ बिल्ली रही थी। भालू मनाने चला था, ब्याह की तैयारी थी, पर यह सब होते हुए भी जादूगर की वाणी में वह प्रसन्नता की तरी नहीं थी। जब वह औरों

को हँसाने की चेष्टा कर रहा था, तब जैसे स्वयं काँप जाता था। मानो उसके रोएँ रो रहे थे। मैं आश्चर्य से देख रहा था।

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

कृपासिन्धु बोले मुसुकाई। सोई कुरु जेहिं तव नाव न जाई।।
बेगि आनु जल पाय पखारु। होत विलंबु उतारिहि पारू।।
जासु नाम सुमरित एक बारा। उतरहिं नर भव सिंधु अपारा।।
सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।।

अथवा

मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोय।
जा तन की झाईं परै, श्याम हरित दुति होय।।
मोहन-मूरति स्याम की, अति अद्भुत गति जोय।
बसति सु चित्त-अंतर तऊ, प्रतिबिम्बित जग होय।।

8. निम्न निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4 \times 2 = 8$

(i) 'कृष्ण मिताई जोग' के आधार पर सुदामा-कृष्ण की मित्रता को विस्तार से समझाइए ? 4

(ii) "दरिद्र की सेवा ही सच्ची सेवा है।" लगभग 200 शब्दों में अपने विचार व्यक्त कीजिए ? 4

9. निम्न लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $6 \times 2 = 12$

(i) स्वामी विवेकानन्द के अनुसार किस व्यक्ति में संसार को परिवर्तित करने की शक्ति आ सकती है ?

(ii) "ठोस सत्य सदा शिवम् होता ही है, किन्तु वह हमेशा सुन्दरम् भी हो, यह आवश्यक नहीं।" लेखक का इससे क्या आशय है ?

(iii) 'भोलाराम का जीव' रचना का उद्देश्य समझाइए ?

(iv) 'ढाई आखर प्रेम का' साखी के माध्यम से कबीर क्या प्रकट करना चाहते हैं ?

(v) 'करम् गति टारै नाहिं टरै' पद की अन्तर्कथाएँ स्पष्ट कीजिए ?

(vi) रहीम ने सूरज को चराचर नायक क्यों कहा है ?

10. निम्न अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4 \times 1 = 4$

(i) लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी ने किस ईंट को धन्य कहा है ?

(ii) ''पर ऐसा कभी नहीं हुआ था'' वह कौनसी घटना थी ?

(iii) 'केवट का भाग्य' काव्यांश किस रचना से संकलित है ?

(iv) मीराँ ने जन्म-जन्म की पूँजी किसे बताया है ?

11. कवयित्री मीराँ का जीवन परिचय बताइये। 2

12. लेखक जयशंकर प्रसाद का जीवन परिचय बताइये। 2

13. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

(i) सड़क दुर्घटनाओं के दो कारण बताइये। 2

(ii) सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए क्या उपाय करने चाहिए ? कोई चार उपाय बताइये। 3